2021

HINDI

[GENERAL]

Paper : II

Full Marks : 100 Time : 3 Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **छः** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×6=6

क) कबीर की वाणियों का संग्रह किस नाम से प्रकाशित है ?

ख) निराला ने 'विप्लव के वीर' किसे कहा है ?

ग) 'प्रेम की पीर' का कवि किसे कहा जाता है?

घ) दिनकर को उनकी किस कृति के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था?

ङ) सूरदास की भक्ति का संबंध किस दर्शन से है ?

च) मुक्तिबोध की मातृभाषा क्या थी ?

छ) दिनकर के प्रथम प्रकाशित काव्य-संग्रह का नाम लिखिए ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **ग्यारह** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×11=22

क) 'प्रेम की पीर' का कवि किसे माना जाता है ? उनके किसी एक रचना का नाम लिखिए ।

ख) 'बिहारी संतसई' तथा 'रामचरितमानस' का काव्य-रूप क्या है ?

ग) डॉ० हरदेव बाहरी के अनुसार किस रचना का पद्मावत की कथा पर गहरा प्रभाव है?

घ) 'पीयूषवर्षी मेघ' किसको और किसने कहा है?

ङ) अपने वीर काव्य में भूषण ने परंपरागत वीर रस के किन चार अवयवों की चर्चा की है?

च) 'प्रकृति-सौंदर्य' शीर्षक निबंध के रचनाकार कौन हैं? यह कहाँ संकलित है?

छ) महादेवी वर्मा के पहले और अंतिम काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।

ज) 'भूषण' रचित दो ग्रंथों का नाम लिखिए ।

झ) 'छदों का अजायबघर' किस कवि की किस रचना को कहा जाता है ?

ञ) ''चढ़ता प्रथम जो व्योम में गिरता वही मार्तण्ड है''— 'व्योम' और 'मार्तण्ड' का शाब्दिक अर्थ लिखिए ।

ट) 'उर्वशी' किसकी कृति है ? इस पर रचनाकार को कौन-सा पुरस्कार प्राप्त हुआ था ?

ठ) 'युगांत' और 'युगवाणी' से किस काव्यधारा के अंत और प्रारंभ की सूचना मिलती है ?

ड) द्विवेदी युगीन दो महाकाव्यों के नाम लिखिए ।

ढ) 'आखिरी कलाम' में किसका वर्णन है ? जायसी की काव्य-भाषा क्या है ?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **सात** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6×7=42

क) ''भिन्न-भिन्न बह रही आज
नर-नारी जीवन धारा
युग-युग के सैकत कर्दम से
रुद्ध-छिन्न सुख सारा ।''
—कवि और कविता का नाम लिखते हुए इन पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

ख) ''सब घटि मेरा सांइयां सूनो सेज न कोई।
भाग तिनहु का हे सखी जिहिं घटि परगट होइ।।''—पंक्तियों का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

ग) ''चौंकि चौंकि सिसु दसा प्रगट करैं छवि मन में नहीं आवै।
जानौं निसिपति घरि कर अमृत छिति भंडार भरावै।''—पंक्तियों में उद्धृत 'निसिपति' और 'छिति' का शाब्दिक अर्थ स्पष्ट करते हुए इनका अर्थ स्पष्ट कीजिए।

घ) ''पायो नाम चारु चिंतामनि, डर कर ते न खसैहों।
स्याम रूप सुचि रुचिर कसौटी, चित कचनहिं कसैहों।''—पंक्तियों की काव्य-भाषा क्या है? इनका भावार्थ लिखिए।

ङ) ''अधरों में राग अमन्द पिये
अलकों में मलयज बन्द किये
तू अबतक सोई है आली।
आँखों में भरे विहाग री।''—यह किसकी रचना है? इनका भाव स्पष्ट कीजिए।

च) ''नाश भी हूँ मैं अनन्त विकास का क्रम भी,
त्याग की दिन भी चरम आसक्ति का तम भी ।''
—कविता की शीर्षक और कवि का नाम लिखते हुए इनका भाव स्पष्ट कीजिए ।

छ) ''दाख छांड़ि कै कटुक निबौरी को अपने मुँह खैहै ?
मूरी के पातन के केना को मुकता हाय दैहै ?''
—पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

ज) ''कंवाल जो बिगसा मानसर बिनु जल गयऊँ सुखाई ।
कबहुँ बेलि फिरि पलुहै जौ पिउ सींचै आइ ॥''
—ये पंक्तियां कहां से उद्धृत हैं ? इनका अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

झ) ''अैसा यहु संसार है जैसा सैंबल फूल ।
दिन दस के व्यौहार हैं, झूठे रंगिन भूलि ॥''
—इन पंक्तियों के निहितार्थ को स्पष्ट कीजिए ।

4. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3=30

क) दिनकर की राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए ।

ख) रीतिकाल में आपका सर्वाधिक प्रिय रचनाकार कौन है? उदाहरण सहित अपने मत की पुष्टि कीजिए।

ग) महादेवी वर्मा की विरहानुभूति पर प्रकाश डालिए।

घ) छायावादी काव्य-प्रवृत्तियों के आधार पर जयशंकर प्रसाद की काव्यगत् विशेषताओं का निरुपण कीजिए ।

ङ) तुलसीदास की काव्यगत् विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।